



# অষ্ট লক্ষ্মী স্তোত্রম্

## **Ashta lakshmi stothram** in bengali



## ॥ अष्ट लक्ष्मी स्तोत्रम् ॥

### आदिलक्ष्मि

सुमनस वन्दित सुन्दरि माधवि, चन्द्र सहोदरि हेममये  
मुनिगण वन्दित मोक्षप्रदायनि, मञ्जुल भाषिणि वेदनुते ।  
पङ्कजवासिनि देव सुपूजित, सदगुण वर्षिणि शांतियुते  
जय जयहे मधुसूदन कामिनि, आदिलक्ष्मि परिपालय माम् ॥ 1 ॥

### धान्यलक्ष्मि

अधिकलि कल्मष नाशिनि कामिनि, वैदिक रूपिणि वेदमये  
क्षीर समुद्रव मङ्गल रूपिणि, मन्त्रनिवासिनि मन्त्रनुते ।  
मङ्गलदायिनि अंबुजवासिनि, देवगणाश्रित पादयुते  
जय जयहे मधुसूदन कामिनि, धान्यलक्ष्मि परिपालय माम् ॥ 2 ॥

### धैर्यलक्ष्मि

जयवरवर्षिणि वैष्णवि भार्गवि, मन्त्र स्वरूपिणि मन्त्रमये  
सुरगण पूजित शीघ्र फलप्रद, ज्ञान विकासिनि शास्त्रनुते ।  
भवभयहारिणि पापविमोचनि, साधु जनाश्रित पादयुते  
जय जयहे मधुसूदन कामिनि, धैर्यलक्ष्मी परिपालय माम् ॥ 3 ॥

### गजलक्ष्मि

जय जय दुर्गति नाशिनि कामिनि, सर्वफलप्रद शास्त्रमये  
रथगज तुरगपदाति समारूढ, परिजन मण्डित लोकनुते ।  
हरिहर ब्रह्मा सुपूजित सेवित, ताप निवारिणि पादयुते  
जय जयहे मधुसूदन कामिनि, गजलक्ष्मी रूपेण पालय माम् ॥ 4 ॥

### संतानलक्ष्मि

अधिखग बाहिनि मोहिनि चक्रिणि, रागविवर्धिनि ज्ञानमये  
गुणगणवारधि लोकहितैषिणि, सप्तस्वर भूषित गाननुते ।  
सकल सुरासुर देव मुनीश्वर, मानव वन्दित पादयुते  
जय जयहे मधुसूदन कामिनि, संतानलक्ष्मी परिपालय माम् ॥ 5 ॥

## বিজয়লক্ষ্মি

জয় কমলাসিনি সদগতি দাযিনি, জ্ঞানবিকাসিনি গানমযে  
অনুদিন মর্চিত কুংকুম ধূসর, ভূষিত বাসিত বাদ্যনুতে ।  
কনকধরাস্তুতি বৈভব বংদিত, শংকরদেশিক মান্যপদে  
জয় জয়হে মধুসূদন কামিনি, বিজয়লক্ষ্মী পরিপালয় মাম্ ॥ 6 ॥

## বিদ্যালক্ষ্মি

প্রণত সুরেশ্বরি ভারতি ভার্গবি, শোকবিনাশিনি রত্নমযে  
মণিময ভূষিত কর্ণবিভূষণ, শাংতি সমাবৃত হাস্যমুখে ।  
নবনিধি দাযিনি কলিমলহারিণি, কামিত ফলপ্রদ হস্তযুতে  
জয় জয়হে মধুসূদন কামিনি, বিদ্যালক্ষ্মী সদা পালয় মাম্ ॥ 7 ॥

## ধনলক্ষ্মি

ধিমিধিমি ধিংধিমি ধিংধিমি-দিংধিমি, দুংধুভি নাদ সুপূর্ণমযে  
ঘুমঘুম ঘুংঘুম ঘুংঘুম ঘুংঘুম, শংখ নিনাদ সুবাদ্যনুতে ।  
বেদ পূরাণেতিহাস সুপূজিত, বৈদিক মার্গ প্রদর্শযুতে  
জয় জয়হে মধুসূদন কামিনি, ধনলক্ষ্মি রূপেণা পালয় মাম্ ॥ 8 ॥

## ফলশ্রুতি

অষ্টলক্ষ্মী নমস্তুভ্যং বরদে কামরূপিণি ।  
বিষ্ণুবক্ষঃ স্থলা রুচে ভক্ত মোক্ষ প্রদাযিনি ॥

শংখ চক্রগদাহস্তে বিশ্বরূপিণিতে জয়ঃ ।  
জগন্মাত্রে চ মোহিন্যৈ মংগলং শুভ মংগলম্ ॥



Free download PDF of all types of mantra, stotram, vandana, arati: [chalisapdf.net](http://chalisapdf.net)